कांग्रेस का भाजपा पर चुटीला प्रहार टी-शर्ट पर लिखा उड़ गई विकास की चिड़िया

35 लाख टी-शर्ट का दिया ऑर्डर

रायपुर 12 जुलाई । लोकसभा चुनाव और छत्तीसगढ़ सहित अन्य राज्यों में होने वाले विधानसभा की तैयारी में जुटी कांग्रेस ने मोदी सरकार हमला करने के लिए शानदार तरीका निकाला है। कांग्रेस ने बीजेपी खासकर पीएम मोदी के विकास मॉडल का नए अंदाज में चुटीली प्रहार किया है। इसके साथ ही छत्तीसगढ़ में विपक्षी पार्टी के रूप में कांग्रेस ने बीजेपी सरकार के विकास मॉडल के खिलाफ टी.शर्ट वॉर शुरू किया है। छत्तीसगढ़ में कांग्रेस पार्टी ने अपने कार्यकर्ताओं को एक लाख टी.शर्ट बांटने जा रही हैए और करीब 35 लाख टी.शर्ट का ऑर्डर दिया हैए जिसमें श्उड़ गई विकास की चिड़ियाश् नारा लिखा हुआ है। इस बीजेपी द्वारा चुनाव में पेश किए जाने वाले विकास मॉडल पर करारा तंज माना जा है। इसके जरिए कांग्रेस पार्टी ने बीजेपी पर चुटकी भी ली है। बीजेपी के विकास मॉडल का माखौल उड़ाती इन टी.शर्ट को छत्तीसगढ़ में कांग्रेस पार्टी के कार्यकर्ता पहने हुए नजर आ रहे हैं। कांग्रेस की इन सफेद टी.शर्ट को पीले और काले रंग से डिजाइन किया गया हैएजो आम लोगों का ध्यान अपनी ओर आकर्षित कर रही हैं। भीड़भाड़ वाले इलाकों में राहगीर हो या फिर इन कार्यकर्ताओं के अगल.बगल मौजूद लोगए वो टी.शर्ट में लिखे संदेश को बड़े गौर से पढ़ते नजर आते हैं।

बात दे कि कि छत्तीसगढ़ में इस साल के आखिरी में विधानसभा चुनाव होने वाले हैं।राज्य की सत्तारूढ़ बीजेपी के खिलाफ कांग्रेस श्विकास की चिड़ियाश् नाम से सरकार विरोधी अभियान चला रही है। छत्तीसगढ़ में बीजेपी के खिलाफ कांग्रेस का यह अभियान सफल भी हो रहा है। छत्तीसगढ़ में टी स्टॉलए पान की दुकान और रेस्तरां जैसे सार्वजनिक स्थलों पर कांग्रेस कार्यकर्ता श्उड़ गई विकास की चिड़ियाश् नारा दिखी टी.शर्ट पहने नजर आ रहे हैं। कांग्रेस पर पलटवार करने का मौका ढूढ़ रही बीजेपी के लिए ये टी.शर्ट मुश्किल बन गई हैं। इन टी.शर्ट पर लिखा नारा कांग्रेस द्वारा बीजेपी पर हमला करने की लाइन पर ही है। वहींए बीजेपी ने अगले साल होने वाले चुनावों को लेकर व्यापक स्तर पर अभियान शुरू किया है। इस लेकर बीजेपी अध्यक्ष अमित शाह कई राज्यों में लगातार रैलियां कर रहे हैं।

छत्तीसगढ़ में कांग्रेस उड़ गई विकास की चिड़िया नारा लिखी एक लाख टी.शर्ट अपने कार्यकर्ताओं में बांटने जा रही है। इसके साथ ही सूबे में होने वाले विधानसभा चुनाव के मद्देनजर इस तरह की करीब 35 लाख टी.शर्ट का ऑर्डर दिया है। आने वाले कुछ महीनों में ऐसी टी.शर्ट कांग्रेसी कार्यकर्ताओं के अलावा कांग्रेस के समर्थक मतदाताओं तक पहुंचाने की भी तैयारी है। वहींएकांग्रेस के इस चुटीले प्रहार पर बीजेपी नाक.कान सिकोड़ रही है। पार्टी की दलील है कि सत्ता पाने के लिए कांग्रेस ओछी हरकतों पर उतर आई है। उस प्रदेश के गांव.गांव में हुआ विकास नजर नहीं आ रहा है।

टी.शर्ट पहनकर यहां.वहां क्षेत्र में चहलकदमी करने वाले एनएसयूआई के प्रदेश अध्यक्ष आकाश का कहना है कि जब कभी भी वो यह टी.शर्ट पहनकर घर से बाहर निकलते हैए तो उन्हें राहगीर बड़े गौर से देखते है। कई तो विकास के मामले में उनसे चर्चा करने के लिए उत्सुक दिखाई देते है। उधर बीजेपी प्रवक्ता श्रीचंद सुंदरानी इसे कांग्रेस की घटिया सोच बताते है। उनके मुताबिक सस्ती लोकप्रियता पाने के चक्कर में कांग्रेस ने विकास के कामों तक को नाकार दिया हैए इसकारण जनता भी उस चौथी बार नकारने वाली है।

विद्या मितान का जल सत्याग्रह आज

रायपुर 12 जुलाई । शिक्षाकर्मियों के संविलियन का रास्ता साफ होते ही अब विद्या मितान ने अपना आंदोलन तेज कर दिया है। आगामी 13 जुलाई को विद्या मितान जल सत्याग्रह कर अपनी मांगों को लेकर हुंकार भरेंगे।

विद्या मितान के सदस्यों ने पूर्व में जल सत्याग्रह का ऐलान किया था, लेकिन विधिवत अनुमति नहीं मिलने के कारण यह प्रदर्शन स्थगित कर दिया गया था। अब 13 जुलाई को विद्या मितान के लोग जलसत्याग्रह की तैयारी में है। ज्ञात हो कि वनांचल के साथ ही आदिवासी अंचलों में विषय विशेषज्ञों के तर्ज पर पदस्थ विद्या मितान व्याख्याता शिक्षक के पद पर संविलियन की मांग कर रहे हैं। विद्या मितान के प्रदर्शन को कांग्रेस और आम आदमी पार्टी ने भी अपना समर्थन देकर एक तरह से राज्य सरकार की समस्या बढ़ा दी है। विद्या मितान संघ ने आरोप लगाते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ के मूल निवासी होने और शिक्षकों की तर्ज पर दूरस्थल क्षेत्रों में अध्यापन का कार्य संपन्न कराने के बाद भी उन्हें सम्मानजनक वेतन नहीं मिलता। एक तरह से राज्य सरकार विद्या मितान के प्रति उपेक्षापूर्ण रवैया अपना रखा है।

विविधता में एकता को मजबूत कर रही हमर छत्तीसगढ़ योजना- रमन

रायपुर 12 जुलाई । मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह ने आज शाम यहां अपने निवास परिसर में हमर छत्तीसगढ़ योजना के तहत रायपुर और नया रायपुर के अध्ययन दौरे पर आए संयुक्त वन प्रबंधन समितियों के सदस्यों का स्वागत किया। इनमें जशपुर, मारवाही, सरगुजा और बस्तर, वनमंडलों की संयुक्त वन प्रबंधन समितियों के 475 सदस्य शामिल थे। इस अवसर पर पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री श्री अजय चंद्राकर, विभाग के अपर मुख्य सचिव श्री आर.पी.मंडल, वन विभाग के अपर मुख्य सचिव श्री सी.के. खेतान और संचालक पंचायत श्री तारण प्रकाश सिन्हा भी उपस्थित थे।

डॉ. सिंह ने इन सदस्यों को सम्बोधित करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ में विविधता के बीच एकता है इसी एकता को और मजबूत करने और विकास से जोड़कर एकात्मकता का भाव जगाने के लिए दो वर्ष पहले हमर छत्तीसगढ़ योजना शुरू की गई है, जो सफलतापूर्वक चल रही है। इस योजना के तहत लगभग पौने दो लाख पंचायत प्रतिनिधियों और सहकारिता क्षेत्र के प्रतिनिधियों ने रायपुर और नया रायपुर का अध्ययन दौरा कर लिया है। अब योजना के तहत संयुक्त वन प्रबंधन समितियों के अध्यक्षों और सदस्यों को भी रायपुर के आस पास के विकास कार्यों का भ्रमण कराया जा रहा है। उन्होंने कहा कि भ्रमण पर आए हुए सदस्यों ने विशाल और विकसित हो रहे छत्तीसगढ़ का अनुभव किया होगा। उन्होंने कहा कि वनों की रक्षा और उनके विकास में संयुक्त वन प्रबंधन समितियों की भूमिका महत्वपूर्ण है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में संयुक्त वन प्रबंधन के 7887 समितियां हैं। लगभग 55 प्रतिशत वन क्षेत्र इनके कार्य क्षेत्र में आता है। 59 हजार वर्ग कि.मी. का क्षेत्र और 27 लाख इनमें सदस्य हैं। इन सभी को छत्तीसगढ़ के विकास से जोड़ने के लिए हमर छत्तीसगढ़ योजना का संचालन किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ के लोगों की ताकत से छत्तीसगढ़ का चहुंमुखी विकास हो रहा है। उन्होंने कहा कि सरकार की योजनाओं के तहत गांव गरीब किसानों की भलाई के लिए अनेक योजनाओं का संचालन किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि अनुसूचित जाति जनजाति के किसानों को निःशुल्क बिजली दी जा रही है। 50 हजार रूपए का सोलर पम्प जनजाति किसानों को मात्र 10 हजार रूपए में उपलब्ध कराया जा रहा है। इसी प्रकार अनुसूचित जाति जनजाति वर्ग के सभी परिवारों को प्रधानमंत्री उज्जवला योजना में देने जा रहे है। प्रधानमंत्री आवास योजना में गरीब परिवारों को पक्का आवास दिलाने के लिए 11 लाख बनाए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि यूनिर्वसल हेल्थ स्कीम में अमीर गरीब का भेद भाव किए बिना सभी को 50 हजार रूपए की स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध करायी जा रही है। प्रधानमंत्री द्वारा शुरू की गई आयुष्मान भारत योजना में 37 लाख गरीब परिवारों को 5 लाख रूपए तक की स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध करायी जाएगी। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ में इन परिवारों को स्वास्थ्य सुविधा का लाभ दिलाने के लिए 15 अगस्त तक सभी के कार्ड बनाए जाने का लक्ष्य रखा गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्ष 2003 में तेन्दूपत्ता संग्रहण दर 450 रूपए थी जिसे बढ़ाकर 2500 रूपए कर दिया गया है। इसके अलावा उनके लिए चरण पादुका बीमा, बच्चों की पढ़ाई के लिए छात्रवृत्ति के साथ ही बोनस भी दिया जा रहा है।

ट्रक से कुचलकर युवक की मौत

रायपुर, 12 जुलाई । आमानाका थाना क्षेत्र के राजा क्रेन के सामने टाटीबंध में कल दोपहर एक तेज रफ्तार ट्रक की ठोकर से स्कूटर सवार युवक की मौत हो गई। पुलिस ने आरोपी ट्रक चालक के खिलाफ अपराध दर्ज किया है। पुलिस सूत्रों ने बताया कि प्रार्थी आमीर मलीक पिता नवाब मलीक 26 वर्ष निवासी कोटा ने शिकायत दर्ज कराया कि टाटीबंध स्थित राजा क्रेन के सामने कल दोपहर आरोपी ट्रक क्रमांक सीजी 08-एए/6281 के चालक ने ट्रक को तेज एवं लापरवाही पूर्वक चलाकर मृतक आश मोह0 पिता ईकबाल मोह0 30 वर्ष निवासी कोटा को स्कूटर से जाते समय रौंद दिया।

सामाजिक परिवर्तन लाने में डिजिटल प्लेटफार्म प्रभावी माध्यम- अजय

रायपुर12 जुलाई। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री अजय चंद्राकर ने आज यहां राजधानी स्थित एक निजी होटल में डिजिटल प्लेटफार्म के माध्यम से संवाद का शुभारंभ किया। यह कार्यक्रम राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन और यूण्एसण्एडण् तथा डिजिटल ग्रीन के सहयोग से आयोजित किया गया। श्री चंद्राकर ने इस मौके पर स्वास्थ्य के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाली राजनांदगांव जिले की मितानिन श्रीमती सोहनी बंजारे पोमिन देवांगन पार्वती मांडवी शांति पटौती और हेमलता साहू को सम्मानित किया।

स्वास्थ्य मंत्री श्री चंद्राकर ने इस अवसर पर कहा कि सामाजिक और व्यावहारिक परितर्वन लाने में डिजिटल प्लेटफार्म प्रभावी एवं परिणाम मूलक माध्यम है। श्री चंद्राकर ने कहा कि राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन एवं डिजिटल ग्रीन ने पीको वीडियो के माध्यम से शासन की योजनाएं जैसे परिवार नियोजनए मातृत्व एवं शिशु सुरक्षा तथा पोषण के प्रति ग्रामीणों को जागरूक करने का काम सराहनीय कदम है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में स्वास्थ्यए शिक्षा और गरीबी उन्मूलन के क्षेत्र में बेहतर काम हुए हैं। यह इन क्षेत्रों में प्राप्त सूचकांकों से स्पष्ट होता है। उन्होंने बताया कि विभाग द्वारा संचालित योजनाओं और मैदानी अमलों के मेहनत और लोगों में स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता का परिणाम है कि आज लोग संस्थाओं तक पहुंच रहे हैं। लोगों में स्वास्थ्य संस्थाओं के प्रति विश्वास बढ़ा है। स्वास्थ्य सेवाएं माननीय संवेदनाओं से जुड़ी सेवाएं है। अतः ईमानदारी और सेवा भावना से मरीजों की सेवा करनी चाहिए। स्वास्थ्य विभाग की सचिव श्रीमती निहारिका सिंह बारिक ने भी कार्यक्रम को सम्बोधित किया। श्रीमती बारिक ने कहा कि आडियोण्वीडियो विजवल लोगों तक संदेश पहुंचाने के लिए बहुत ही प्रभावी माध्यम है। स्वास्थ्य सेवाएं अंधविश्वास से भी घिरा हुआ है। डिजिटल माध्यमों से जागरूकता संदेश पहुंचने से लोगों में स्वास्थ्य के प्रति और अधिक जागरूकता बढ़ेगी। उन्होंने बताया कि पिको प्रोजेक्टर के माध्यम से ग्रामीणों द्वारा ही निर्मित वीडियो फिल्म ग्रामीणों को ही दिखाया जाएगा। इस वीडियो फिल्म में स्थानीय लोग ही अभिनय करेंगेए जिससे यहां के भाषा और संदेश प्रभावी रूप से ग्रामीणों तक पहुंचेंगे जिससे स्वास्थ्य के प्रति उनके व्यवहार में परिवर्तन लाने में सहायक होगा। श्रीमती बारिक ने बताया कि पहले यह पायलेट प्रोजेक्ट के रूप में राजनांदगांव जिले में संचालित हो रहा था। अब इस कार्यक्रम को कवर्धा धमतरी बेमतरा और बलौदाबाजार जिले में पिको प्रोजेक्टर के माध्यम से ग्रामीणों को स्वास्थ्य के संबंध में जागरूक करेंगे। इस अवसर पर संचालक स्वास्थ्य सेवाएं श्रीमती रानू साहू राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के प्रबंध संचालक डॉण् सर्वेश्वर नरेन्द्र भूरे संचालक चिकित्सा शिक्षा डॉण् एण्केण् चंद्राकर स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण तथा महामारी के संचालक डॉण् आरण्आरण् शाहनी यूण्एसण्एड के रिजनल डायरेक्टर डॉण् अमित शाह डिजिटल ग्रीन के कंट्री हेड विनय कुमार सहित स्वयंसेवी संस्थाओं के प्रतिनिधि और विभागीय अधिकारीण्कर्मचारी तथा मितानिन उपस्थित थीं।

मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह ने आज रात यहां आयोजित एक कार्यक्रम में कला-संस्कृति, शिक्षा, समाज सेवा, वाणिज्य एवं उद्योग, स्वास्थ्य सेवा सहित विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय उपलब्धियों के लिए अनेक विशिष्टजनों को सम्मानित किया। यह कार्यक्रम एक प्राईवेट टेलीविजन चैनल इंडिया टी.व्ही. द्वारा आयोजित किया गया। कार्यक्रम में प्रसिद्ध पंडवानी गायिका श्रीमती तीजन बाई को लाइफटाईम एचीवमेंट से नवाजा गया। उनके अलावा सत्य सांई अस्पताल रायपुर को भी हृदय रोग पीड़ित बच्चों के निःशुल्क इलाज के लिए मुख्यमंत्री के हाथों सम्मानित किया गया।

कैरियर निर्माण के लिए काउंसिलिंग 18.19 को

रायपुर12 जुलाई।आदिम जाति तथा अनुसूचित जाति विकास विभाग कोचिंग संस्थाओं में प्रवेश के लिए 29 अप्रैल को संयुक्त परीक्षा आयोजित हुई थी। इसकी काउंसिलिंग 18 और 19 जुलाई को पंण् रविशंकर विश्वविद्यालय परिसर स्थित परीक्षा पूर्व प्रशिक्षण केन्द्र में सुबह 10ण्30 बजे से आयोजित होगी। अनुसूचित जनजाति और अनुसूचित जनजाति वर्ग के युवक.युवतियों के लिए 18 जुलाई को व अन्य पिछड़ा वर्ग के अभ्यर्थियों के लिए 19जुलाई को काउंसिलिंग आयोजित की गई है। सहायक आयुक्त आदिवासी विकास ने बताया कि काउंसिलिंग के समय अभ्यर्थियों को दो पासपोर्ट साईज फोटो एवं सक्षम अधिकारी द्वारा जारी जातिए निवास एवं आय प्रमाण.पत्रए 10वीं.12वीं स्नातक तथा स्नातकोत्तर आदि के मूल दस्तावेज पहचान पत्र आधार व अन्य जरूरी प्रमाण पत्रों शैक्षणिक अभिलेखों की छायाप्रति के साथ उपलब्ध होना होगा।

जीएसटी सहित 15 सूत्रीय मांगों को लेकर ठेकेदार संघ ने दिया धरना

रायपुर, 12 जुलाई । लोक निर्माण विभाग, जल संसाधन विभाग, प्रधान मंत्री ग्राम सड़क योजना, आरईएस एवं अन्य विभागों में निर्माण कार्यों का जारी शासकीय निविदा के आधार पर ठेका लेने वाले छत्तीसगढ़ कांट्रेक्टर ऐसोशियेशन ने अध्यक्ष बीरेश शुक्ला के नेतृत्व में धरना दिया। चर्चा के दौरान शुक्ला ने बताया कि जीएसटी कर एवं अन्य असंगत मांगों के चलते ठेके के कार्यों को संधारित करना मुश्किल हो गया है। लोक निर्माण विभाग ईएनसी कार्यालय में किये गये प्रदर्शन में अनेक ठेकेदारों ने हिस्सा लेकर शासन से उनकी मांग जल्द से जल्द पूर्ण करने का आग्रह किया है। मांगें पूर्ण नहीं होने पर अगले चरण में 16 जुलाई को ईएनसी कार्यालय जल संसाधन विभाग एवं तीसरे चरण में ईएनसी कार्यालय आरईएस में 19 जुलाई को प्रदेशव्यापी दिया जायेगा। सरकार द्वारा निश्चित समयावधि में मांगे नहीं मानने पर ठेकेदार ऐसोशियेशन के सदस्य समस्त शासकीय निविदाओं का बहिष्कार कर अधोसंरचना एवं विकास से जुड़े निर्माण कार्यों को ठप्प करेंगे।

संकल्प बाल आश्रय गृह से तीन अपचारी बालक गायब, अज्ञात के खिलाफ अपहरण का मामला दर्ज

रायपुर 12 जुलाई । सिविल लाईन थाना क्षेत्र के कैलाश रेसीडेंसी के पास संचालित संकल्प बाल आश्रय गृह से तीन नाबालिगों को किसी अज्ञात व्यक्ति ने बहला-फुसला कर अपने साथ भगा ले गया। मामले में पुलिस ने अब अज्ञात के खिलाफ अपहरण का मामला दर्ज किया है। पुलिस सूत्रों ने बताया कि प्रार्थी रोशन कुमार पिता जोईद राम निषाद 31 वर्ष निवासी संकल्प बाल आश्रय गृह कैलाश रेसीडेंसि सिविल लाईन ने शिकायत दर्ज कराया कि संकल्प बाल आश्रय गृह में रहने वाले तीन अपचारी बालकों जिनकी उम्र क्रमशः 14 वर्ष, 17 वर्ष तथा 17 वर्ष है को घटना दिनांक 8 जुलाई को किसी अज्ञात व्यक्ति ने अपने साथ बहला-फुसला कर अपने साथ भगा ले गया। चूंकि तीनों अपचारी बालक नाबालिग हैं, लिहाजा पुलिस ने अब अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ अपहरण का मामला दर्ज किया है।

ज्ञात हो कि दो दिन पूर्व ही सिविल लाईन थाना क्षेत्र के ही राजातालाब स्थित यादव मोहल्ला से इसी तरह एक 17 वर्षीय नाबालिग को किसी अज्ञात व्यक्ति अपने साथ बहला-फुसला कर ले गया था।

कृषि वैज्ञानिकों ने किसानों को बतायी धान बीजों के घरेलू उपचार की विधि

रायपुर 12 जुलाई । कृषि विशेषज्ञों ने धान की खेती करने वाले किसानों को बीजों को नमक के घोल से उपचारित करने के बाद बोआई करने की सलाह दी है। कृषि वैज्ञानिकों ने आज यहां जारी कृषि बुलेटिन में किसानों को धान के बीजों को उपचारित करने की घरेलू विधि बतायी है। उन्होंने कहा है कि धान के बीजों को 17 प्रतिशत नमक के घोल में डालना चाहिए। घोल को लकड़ी से हिलाने के कुछ देर बाद ठोस बीजों को निकालकर साफपानी में दो बार धोकर छाया में ही सूखाकर उपचारित किया जा सकता है। कृषि वैज्ञानिकों ने कहा है कि प्रदेश में अधिकांश स्थानों में दो-तीन दिनों से लगातार बारिश हो रही है। इससे खरीफफसलों की बोनी में गति आयी है। किसानों को धान की कतार बोनी में सीड ड्रिल एवं दानेदार उर्वरकों का उपयोग करने का सुझाव दिया गया है। उन्होंने कहा है कि धान के थरहा के लिए नर्सरी लगाने का उचित समय है। नर्सरी लगाने के लिए मोटे धान 50 किलो तथा पतले धान 40 किलो प्रति हेक्टेयर की दर से उपयोग करना चाहिए। रोपा धान में सकरी पत्ती वाले एवं चौड़ी पत्ती वाले खरपतवार के नियंत्रण के लिए नर्सरी डालने के तीन से सात दिन के अंदर ब्यूटाक्लोर दवा तीन लीटर और 500 लीटर पानी मिलाकर प्रति हेक्टेयर की दर से छिड़काव करना चाहिए। मशीन से रोपाई करने के लिए मैट टाइप नर्सरी डालना लाभदायक होता है। सोयाबीन एवं अरहर बोने के लिए जल निकास की व्यवस्था करने के बाद बीजों का छिड़काव करने की सलाह किसानों को दी गई है। सोयाबीन एवं अन्य दलहनी फसलों का कल्चर से उपचार करके बोआई करनी चाहिए। राइजोबियम कल्चर पांच ग्राम एवं पीएसबी 10 ग्राम से एक किलो बीज का उपचार किया जा सकता है। गन्ने की नई फसल में आवश्यकता अनुसार निदाई-गुड़ाई एवं मिट्टी चढ़ाने के लिए भी उपयुक्त समय है।

अब असंगठित महिला श्रमिकों को मिलेगी बेटियों की शादी के लिए एकमुश्त पन्द्रह हजार रूपए की सहायता

रायपुर, 12 जुलाई । राज्य शासन द्वारा छत्तीसगढ़ असंगठित कर्मकार राज्य सामाजिक सुरक्षा मंडल में पंजीकृत 53 प्रवर्ग की महिला कर्मकारों को स्वयं के विवाह अथवा धर्मज या विधिमान्य गोद ली गई या सौतेली पुत्री की शादी के लिए 'असंगठित कर्मकार विवाह योजना' के तहत एकमुश्त 15 हजार रूपए की आर्थिक सहायता दी जाएगी। इन 53 वर्गों में धोबी, दर्जी,माली, मोची,नाई, बुनकर, रिक्शा चालक, हाथ ठेला चलाने वाले, फुटकर सब्जी फल-फूल विक्रेता, चाय, चाट ठेला लगाने वाले, फुटपाथ ब्यापारी, फेरी लगाने वाले, मुर्रा-चना फोड़ने वाले, ऑटो चालक, टेंट हाउस में काम करने वाले, मछुआरा, शिकारी, देवार, नट-नटनी, पशु पालक, मछली, मुर्गी, बतख पालन में लगे मजदूर, रसोइया, हड्डी बीनने वाले, समाचार-पत्र बांटने वाले हॉकर, सिनेमा घरों में कार्यरत, सोने-चांदी के दुकानों काम करने वाले कारीगर, नाव चलाने वाले, तांगा वाले, बैलगाड़ी चलाने वाले, वनोपज में लगे मजदूर इत्यादि शामिल है। योजना का संचालन छत्तीसगढ़ असंगठित कर्मकार राज्य सामाजिक सुरक्षा मंडल द्वारा किया जाएगा। विवाह सहायता योजना के संबंध में श्रम विभाग द्वारा यहां मंत्रालय (महानदी भवन) से गत 10 अप्रैल को अधिसूचना जारी की गई है। अधिसूचना के अनुसार असंगठित कर्मकार विवाह सहायता योजना के तहत प्रति विवाह 15 हजार रूपए दिया जाएगा। योजना के तहत पुजीकृत महिला कर्मकार को स्वयं के विवाह, एक बार पुनर्विवाह एवं पंजीकृत श्रमिक के प्रथम दो पुत्रियों की विवाह के लिए सहायता राशि दी जाएगी। पुत्रियों की विवाह के समय आयु 18 वर्ष से कम नहीं होना चाहिए। योजना के तहतहितग्राहियों को शादी के बाद छह महीने के भीतर सहायता के लिए आवेदन देना होगा। आवेदन किसी भी च्वाइस सेंटर, कम्प्यूटर सेंटर अथवा संबंधित जिले के सहायक श्रमायुक्त के कार्यालय में जाकर वेबसाइट में दिए निर्देशों के अनुरूप आवेदन करना होगा। आवेदन के साथ विवाह प्रमाण पत्र और बैंक एकाउन्ट नंबर देना होगा। इस योजना में ठेका श्रमिक, घरेलू महिला कामगार हमाल एवं सफाई कामगारों को शामिल नहीं किया गया है।